एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ फॉर्मेसी

एन. एच.–07 समसपुर, चुनार, मीरजापुर,उ. प्र.–231304

कॉलेज कोड : (904)

द्वारा

विश्वविद्यालय के पत्र क्रमांक : डा.ए.पी.जे.अ.क.प्रा.वि./निर्माण/2020/6955 दिनांक 09 सितम्बर, 2020 के अनुसार माननीय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस 17 सितम्बर, 2020 के अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डॉ0 एस. के सिंह, निदेशक प्रो. सुनिल मिस्त्री एवं सभी अध्यापकों द्वारा 17 पीपल वृक्ष एवं 100 फलदार वृक्षों जैसे–आवला, कठ–सागौन, आम, नीम, बहेरा इत्यादि का वृक्षारोपण किया गया है। सभी वृक्षारोपण किये गये वृक्षों का फोटोग्राफ संलग्न हैं।

धन्यवाद!

निदेशक

प्रो. डा0 सुनिल मिस्त्री

एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी

मोबाइल नं0: 9893926205

डॉ. एस. के सिंह, चेयरमैन, प्रो. डॉ0 सुनिल मिस्त्री एवं सभी अध्यापक

प्रो. डॉ0 सुनिल मिस्त्री एवं सभी अध्यापक

डॉ. एस. के सिंह, चेयरमैन एवं प्रो. यशवन्त चौहान

प्रो. यशवन्त चौहान एवं राम मनोहर यादव, एसोसिएट प्रोफेसर

राम मनोहर यादव, एसोसिएट प्रोफेसर एवं राजीव कु. सिंह, लेक्चरर

अरविन्द कु. पटेल असिस्टेण्ट प्रोफेसर एवं सौरभ कु. विन्द, असिस्टेण्ट प्रोफेसर

सौरभ कु. विन्द, असिस्टेण्ट प्रोफेसर एवं राजीव कु. सिंह, लेक्चरर

राम मनोहर यादव, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अरविन्द कु. पटेल, असिस्टेण्ट प्रोफेसर

राजीव कुमार सिंह, लेक्चरर

एपेक्स में सेवा सप्ताह के अंतर्गत 17 पीपल के पौधों का किया गया रोपण

September 17, 2020 | vindhynews | 0 Comments

विमलेश प्रसाद, मिर्ज़ापुर।

एपेक्स ट्रस्ट इंस्टिट्यूट एवं हॉस्पिटल प्रांगण में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत सम्बद्ध विश्वविद्यालयों एवं टेक्निकल शिक्षा बोर्ड के निर्देश पर राज्य सरकार के वन विभाग द्वारा प्राप्त पीपल के पौधों का रोपण एपेक्स के चेयरमैन डॉ एसके सिंह, फार्मेसी के प्रधानाचार्य डॉ सुनील मिस्त्री, आयुर्वेद के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. यशवंत सिंह चौहान, डॉ. एके सोनकर, फार्मेसी एवं आयुर्वेद फैकल्टी एवं हॉस्पिटल स्टाफ द्वारा किया गया। 17 पीपल पौधों के रोपण सहित 100 अन्य औषधीय एवं फलदार पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया। फलदार एवं छायादार वृक्षों में मुख्यतः आंवला, कठ सागवान, नीम, आम, बदहेरा, सागवान आदि प्रजातियों का रोपण किया गया।

एपेक्स के चेयरमैन डॉ एसके सिंह ने प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए वृक्षों की महत्ता को बताते हुए कॉलेज एवं हॉस्पिटल प्रशासन की वृक्षारोपण जैसे सहरानीय कार्य हेतु प्रशंसा की एवं अपील की प्रत्येक फैकल्टी एवं स्टाफ को वृक्षारोपण के उपरांत पौधों की देखभाल हेतु गोद लिया जाए।

सेवा सप्ताह के तहत 17 पीपल के पौधे रोपे गए

चुनार के एपेक्स इंट्रियूट परिसर में पौधरोपण करते चेयरमैन डा. एसके सिंह व अन्य।

मिर्जापुर | **निज संवाददाता**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को चुनार स्थित एपेक्स इंस्टीट्यूट एवं हास्पिटल परिसर में मनाया गया। संस्था के चेयरमैन एसके सिंह एवं अन्य ने 17 पीपल के पौधों का रोपण किए। संस्था के प्रधानाचार्य डा. सुनील मिस्त्री एवं अन्य शिक्षकों ने परिसर में सौ फलदार एवं औषधीय पौधे भी लगाए। इनमें आंवला, कठ सागौन, नीम, आम, बहेरा व सागौन के पौधे शामिल है। आयुर्वेद के प्रधानाचार्य डा.यशवंत सिंह चौहान ने कहा कि औषधीय पौधे मनुष्य के लिए काफी लाभदायक है। इनके फल, पत्ते एवं छाल से औषधियां तैयार की जाती है।

Hindustan Mzpr dtd 18/09/2020

रीडर्स मैसेंजर , लखनऊ दिनांक 18/09/20

एपेक्स में सेवा सप्ताह के अंतर्गत 17 पीपल के पेड़ों का रोपण

मिर्जापुर। एपेक्स ट्रस्ट इंस्टिट्यूट एवं हॉस्पिटल प्रांगण में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे सेवा सप्ताह के अंतर्गत सम्बद्ध विश्वविद्यालयों एवं टेक्निकल शिक्षा बोर्ड के निर्देश पर राज्य सरकार के वन विभाग द्वारा प्राप्त पीपल के पौधों का रोपण एपेक्स के चेयरमैन डॉ एसके सिंह, फार्मेसी के प्रधानाचार्य डॉ सुनील मिस्त्री, आयुर्वेद के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. यशवंत सिंह चौहान, डॉ. एके सोनकर, फार्मेसी एवं आयुर्वेद फैकल्टी एवं हॉस्पिटल स्टाफ द्वारा किया गया। 17 पीपल पौधों के रोपण सहित 100 अन्य औषधीय एवं फलदार पौधों का भी वृक्षारोपण किया गया. फलदार एवं छायादार वृक्षों में मुख्यतः आंवला, कठ सागवान, नीम, आम, बढ़हेरा, सागवान आदि प्रजातियों का रोपण किया गया। एपेक्स के चेयरमैन डॉ एसके सिंह ने प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए वृक्षों की महत्ता को बताते हुए कॉलेज एवं हॉस्पिटल प्रशासन की वृक्षारोपण जैसे सहरानीय कार्य हेतु प्रशंसा की एवं अपील की प्रत्येक फैकल्टी एवं स्टाफ को वृक्षारोपण के उपरांत पौधों की देखभाल हेतु गोद लिया जाए।